वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-2 | अंक-104 | सागवाड़ा, शनिवार, 17 दिसम्बर, 2022 | अवधि: हिन्दी ई-पेपर | पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

टीएसपी क्षेत्र में जनसंख्या के अनुपात में सरकारी भर्तियों में पद आवंटित नहीं होने से बेरोजगारों में रोष- समानता मंच

* सरकार ने टीएसपी क्षेत्र का विस्तार तो कर दिया लेकिन बढ़ी हुई जनसंख्या के अनुपात में सरकारी भर्तियों में पद नहीं बढ़ाए
* टीएसपी क्षेत्र में पहले से 65 गांव ज्यादा जोड़े गए है और अब यहां की जनसंख्या करीब 45 लाख बढ़ गई है। इसके बाद भी मात्र 1570 पद देना न्यायोचित नहीं

सागवाड़ा। टीएसपी क्षेत्र में जनसंख्या के अनुपात में सरकारी भर्तियों में पद आवंटित नहीं करने को लेकर समानता मंच ने रोष व्यक्त किया। समानता मंच के संयोजक दिग्विजय सिंह चुंडावत ने शुक्रवार को यहां हुई एक प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार ने टीएसपी क्षेत्र का विस्तार तो कर दिया लेकिन बढ़ी हुई जनसंख्या के अनुपात में सरकारी भर्तियों में पद नहीं बढ़ाए गए। हाल ही में रीट परीक्षा में सरकार ने जो पद टीएसपी क्षेत्र के लिए आवंटित किए हैं वह जनसंख्या के अनुपात में काफी कम है। चुंडावत ने कहा कि रीट के लेवल वन में टीएसपी क्षेत्र में जो पद सरकार की ओर से आवंटित किए गए हैं वह यहां के बेरोजगारों के लिए ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। टीएसपी एरिया की जनसंख्या करीब एक करोड़ के आसपास है जबकि इस क्षेत्र के लिए मात्र 1570 पद ही दिए गए हैं। इसमें सर्वाधिक नुकसान जनजाति वर्ग का हो रहा है। टीएसपी क्षेत्र में पहले से 65 गांव ज्यादा जोड़े गए है और अब यहां की जनसंख्या करीब 45 लाख बढ़ गई है।

इसके बाद भी मात्र 1570 पद देना न्यायोचित नहीं है। संयोजक चूंडावत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जनजाति क्षेत्र के विस्तार के अनुरूप पदों की गणना नहीं किए जाने से यहां के बेरोजगारों युवाओं के साथ सरकार ने धोखा किया है। चुंडावत ने बताया कि 16 जून 2013 में जो अधिसूचना जारी हुई थी उसमें जनसंख्या के आधार पर पदों की गणना की जानी थी लेकिन अब उसके अनुरूप पद नहीं बढ़ाकर छलावा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में निकाली गई भर्ती में पूर्व के 1167 पदों को भी इसमें समायोजित नहीं किया गया है।

मांग की ओर ध्यान नहीं देने पर आंदोलन होगा

चुंडावत ने कहा कि यदि सरकार हमारी इस मांग की ओर ध्यान नहीं देती है तो प्रत्येक ब्लॉक लेवल पर ज्ञापन दिया जाएगा, इसके बाद भी सुनवाई नहीं होती है तो 1 तारीख को बैठक कर आगे आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। साथ ही पद नहीं बढ़ाए जाने पर रीट परीक्षा का भी बहिष्कार किया जाएगा। चूंडावत ने बताया कि टीएसपी एरिया की इन समस्याओं से पूर्व में भी जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया था लेकिन अब तक समाधान नहीं किया। इस अवसर पर श्याम भट्ट, जनक पंड्या, रामचंद्र जोशी, प्रदीप भट्ट, राजेश पाटीदार, विष्णुराम पाटीदार, विक्रम सिंह, दिवाकर जैन समेत कई अभ्यर्थी मौजूद रहे।

हाईकोर्ट की सख्ती- गामठवाडा में कडाना की बेशक़ीमती भूमि पर से हटाये अतिक्रमण

पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में अतिक्रमियो के कच्चे-पक्के निर्माण किये ध्वस्त

सागवाडा। डूंगरपुर जिले के सागवाडा में कडाना विभाग की सरकारी भूमि पर आज हाईकोर्ट के आदेश पर प्रशासन की ओर से पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस दौरान जेसीबी की मदद से अतिक्रमियो के कच्चे-पक्के अतिक्रमणों को ध्वस्त किया गया। वही प्रशासन ने पूर्व में आवंटित भूमि पर अतिक्रमियों को शिफ्ट करवाया गया। डूंगरपुर जिले के सागवाडा तहसीलदार रमेश वडेरा ने बताया की सागवाडा में कडाना विभाग की सरकारी भूमि पर लोगो ने अतिक्रमण कर रखा था। उच्च न्यायालय जोधपुर में निर्णित प्रकरण दिनेश चन्द्र जांगा बनाम राज्य सरकार के संबंध में जनहित याचिका के फैसले में अतिक्रमण हटाने के आदेश हुए थे । उस पर कडाना विभाग ने कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाये थे ओर कुछ अतिक्रमण रह गए थे और जिन अतिक्रमण को हटाया था उनको राज्य सरकार के निर्देश पर सागवाड़ा नगर पालिका ने श्री राम कॉलोनी में विस्थापित किया था। प्लाट मिलने के बाद भी कई परिवारो ने कडाना की भूमि पर कच्चे-पक्के घर बनाकर अतिक्रमण कर रखा था। जिस पर सागवाडा निवासी याचिकाकर्ता दिनेश जंगा ने वापस उच्च न्यायालय में कंटेप्ट की याचिका दायर की। जिस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने वापस अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे। वही कोर्ट के आदेश मिलने के बाद कडाना विभाग ने अतिक्रमियो को भूमि खाली करने के नोटिस भी जारी किये थे लेकिन बाजवूद इसके अतिक्रमियो ने अपना अतिक्रमण नहीं हटाया। वही हाईकोर्ट के आदेश पर आज सागवाडा प्रशासन ने भारी पुलिस जाब्ते की मौजदूगी में मौके पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया।

इस दौरान प्रशासन ने जेसीबी के पीले पंजे की मदद से अतिक्रमियो के कच्चे-पक्के अतिक्रमणों के साथ हाल ही में हुए नए अतिक्रमणों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई।

सहस्त्र बड़ी औदिच्य ब्राह्मण समाज डूंगरपुर की कार्यकारिणी की घोषणा

सागवाड़ा। सहस्त्र बड़ी औदिच्य ब्राह्मण समाज जिला डूंगरपुर की कार्यकारिणी की घोषणा हुई। समाज के जिलाध्यक्ष तेजप्रकाश जोशी ने बताया कि समाज की जिला कार्यकारिणी में सभाध्यक्ष नरेश बंधु पाठक सागवाड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष लोकेश पाठक सागवाड़ा, मुख्य सलाहकार तुलजाशंकर भट्ट भीलूड़ा, हेमेंद्र उपाध्याय, प्रकाश व्यास व हितेश रावल सरोदा, अंबालाल उपाध्याय कतिसोर, जगदीश जोशी गामड़ा ब्राह्मणिया, हेमेंद्र भट्ट नंदौड, हेमंत दादा पाठक सागवाड़ा, भूपेंद्र भट्ट घोटाद और रमेशचंद्र भीलूड़ा को बनाया। साथ ही संरक्षक मंडल में मोहनलाल पंड्या टामटिया, महेश शुक्ला व उमाकांत व्यास सागवाड़ा, कन्हैयालाल भट्ट नंदौड, दिनेश भट्ट, पुरषोत्तम पंड्या व सुरेश मेहता भीलूड़ा, हरीश पंड्या पूंजपुर, कांतिलाल व्यास सरोदा, सुभाष दवे सागवाड़ा, डायालाल पंड्या सरोदा, कांतिलाल पंड्या झरियाना और ओमप्रकाश रावल पूंजपुर को शामिल किया। महामंत्री

विद्याशंकर पाठक सरोदा और अखिलेश पंड्या टामटिया, कोषाध्यक्ष महेश पंड्या टामटिया, सह कोषाध्यक्ष अरुण रावल लीलवासा को बनाया। इसके अलावा जिला कार्यकारिणी में 8 वरिष्ठ उपाध्यक्ष, 6 सचिव, 9 संगठन मंत्री, दो महिला समेत 13 शिक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी, 10 वित्तीय प्रकोष्ठ प्रभारी, 7 खेल प्रकोष्ठ, 7 महिला प्रकोष्ठ प्रभारी, 5 महिला वित्तीय प्रकोष्ठ, 5 विधि प्रकोष्ठ प्रभारी, 4 निर्माण प्रकोष्ठ प्रभारी और 4 सदस्यों को मीडिया प्रकोष्ठ का प्रभारी बनाया गया।

कार में जिंदा जला सरकारी स्कूल का टीचर

बाँसवाड़ा। सरकारी स्कूल का लेक्चरर कार में जिंदा जल गया। कार से आग की उठती लपटों को देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। आग बुझाने पर ड्राइविंग सीट पर लेक्चरर का शव मिला। मौके पर पहुंची लेक्चरर की पत्नी फूट-फूटकर रोने लगी। लेक्चरर के घरवालों ने हत्या की आशंका जताई है। मामला बांसवाड़ा कोतवाली का शुक्रवार सुबह का है। कोतवाल रतन सिंह चौहान ने बताया कि छोटी सरवन ब्लॉक की दनाक्षरी स्कूल में फर्स्ट ग्रेड टीचर (स्कूल लेक्चरर) 40 साल का मनोज जैन कार में जिंदा जल गया। वह भीमपुर हाल मोहन कॉलोनी गली नंबर 9 में रहता था । वह अपनी अल्टो कार से आज घर से स्कूल के लिए निकला था। सुबह साढ़े 10 बजे के करीब लोगों ने झाड़ियों में जलती कार को देखा। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। आग बुझाने पर ड्राइविंग सीट से शव को निकाला गया।

राजस्थान में 2 शहरों में तापमान जीरो डिग्री

जयपुर। राजस्थान में बर्फीली हवाओं का प्रभाव बढ़ने लगा है। जयपुर, बीकानेर, जोधपुर और भरतपुर संभाग के कई जिलों के तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट रही है। इससे ठंड अपने तेवर दिखाने लगी है। ठिठुरन-गलन अचानक से बढ गई है। जयपुर, अलवर, बाड़मेर समेत 12 शहरों में शुक्रवार को सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। हिल स्टेशन माउंट आबू के बाद मैदानी एरिया फतेहपुर में पहली बार न्यूनतम तापमान जीरो डिग्री पर पहुंच गया है। इससे यहां बर्फ की परतें जम गईं। इसके अलावा शेखावाटी के सीकर, चूरू, पिलानी के साथ ही हनुमानगढ़, करौली, अलवर, नागौर में भी आज तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि सर्द हवाओं का असर आने वाले एक-दो दिन और बना रहेगा, जिससे कुछ अन्य शहरों के तापमान में भी मामूली गिरावट देखने को मिल सकती है।

कर्मचारियों ने कलेक्ट्री के सामने लगाए नारे, 30 दिसंबर के बाद आंदोलन की चेतावनी

डूंगरपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ की ओर से शुक्रवार को कलेक्ट्री के सामने धरना प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर सरकार से हुए समझौतों और आश्वासनों के बाद भी कोई निर्णय नहीं होने पर आक्रोश जताया। कर्मचारियो ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनकी 15 मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई। वहीं, 30 दिसंबर तक का अल्टीमेटम देते हुए प्रदेश व्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिलाध्यक्ष धनेश्वर पंड्या के नेतृत्व में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पर एकत्रित हुए।

इस दौरान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के बैनर तले कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर धरना दिया। जिलाध्यक्ष धनेश्वर पंड्या ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा की विभिन्न कर्मचारी संगठनों की ओर से कर्मचारियों की मांगों को लेकर कई बार धरना, प्रदर्शन और ज्ञापन दिए गए। वहीं, सरकार के साथ मांगों को लेकर कई बार समझौते भी हुए। सरकार ने उनकी मांगों पर आश्वासन भी दिए गए, लेकिन इन आश्वासनों के बाद भी सरकार ने उन मांगों को आज तक पूरा नहीं किया है।कर्मचारी संगठनों के विरुद्ध सरकार की छल और विश्वास तोड़ने की नीति दिखता है। इससे प्रदेश के 8 लाख कर्मचारियों में भारी निराशा और आक्रोश का माहौल बन रहा है। धरना और प्रदर्शन के बाद अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने कलेक्टर को सीएम के नाम 15 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन भी सौंपा।

ज्ञापन में समान वेतन की नीति लागू करने, पूर्व के वेतनमानों में उत्पन्न विसंगतियों का निराकरण करने, रिक्त पदों को भरने, संविदा नियम 2022 को विड़ो कर संविदाकर्मियों को राज्य कार्मिकों के अनूरूप परिलाभ देने सहित अन्य मांग की गई हैं। वहीं, 30 दिसंबर तक मांगे नहीं माने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है।

गलियाकोट मार्ग स्थित होटल से अवैध शराब ज़ब्त, होटल में बैठकर शराब पिलाने का मामला

DST ने होटल पर मारा छापा, सागवाडा पुलिस को भनक तक नहीं

सागवाडा। सागवाडा थाना क्षेत्र के सागवाडा शहर में गलियाकोट मार्ग पर स्थित होटल में शुक्रवार रात को हुई कार्रवाई में शराब परोसने का मामला सामने आया है। सागवाडा शहर के आस पास के क्षेत्र में कई ऐसे अवैध होटल एवं ढाबे संचालित है जहाँ अवैध रूप से शराब पिलाई जाती है। इसकी शिकायत लंबे समय से जिला पुलिस अधीक्षकों की जा रही थी। शुक्रवार को डूंगरपुर जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर DST ने सागवाडा की एक होटल में कार्रवाई की। जहां शराब की बोतलें पाएगी। जिला पुलिस विशेष बल की ओर से की गई इस कार्रवाई की भनक सागवाडा थाने को भी नहीं लगी। बताया जा रहा है कि गलियाकोट मार्ग पर स्थित गौर बंधन होटल से क़रीब 25 हज़ार की अवैध शराब को ज़ब्त किया गया है। सागवाडा शहर के आस पास अनैतिक गतिविधियां पिछले कुछ महीनों से बढ़ गई है। शहर से गुजर रहे डूंगरपुर मार्ग गलियाकोट मार्ग, आसपुर मार्ग या फिर बाँसवाड़ा मार्ग यहाँ अवैध रूप से कई ऐसे होटल संचालित हैं जहाँ बैठकर शराब पिलाई जा रही है।

अश्लील वीडियो डिलीट करने के नाम पर ऑनलाइन ठगी

36 हजार रूपये करवाए ट्रांसफर, साइबर पुलिस ने कराए रिफंड

डूंगरपुर। डूंगरपुर में साइबर थाना पुलिस ने अश्लील वीडियो डिलीट करने के नाम पर ऑनलाइन ठगी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत मिलते ही ऑनलाइन डेबिट को फ्रिज कर ठगी किए रुपए पीड़ित को वापस दिला दिए हैं।साइबर थाना इंचार्ज राजेश कटारा ने बताया कि 11 दिसंबर को एक पीड़ित व्यक्ति रमेश ने रिपोर्ट दी। इसमें उसने बताया कि ठगों ने उसे वीडियो कॉल कर एक लड़की के साथ अश्लील वीडियो बना लिया। वीडियो को वायरल करने की धमकियां दे रहे हैं। वहीं यूट्यूब से वीडियो डिलीट करने के नाम पर 36 हजार 600 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए, लेकिन बदमाश और रुपए मांगने लगे। इस पर पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत की। जिस पर साइबर थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी। साइबर सेल ने पीड़ित के नंबर पर आए अलग-अलग नंबरों की जांच की। जमा करवाए गए खाता नंबरों की डिटेल खंगाली। उन खातों में डेबिट हुए रुपयों को फ्रिज करवाते हुए रुपए रिफंड करवाए। इसके बाद पीड़ित ने भी राहत की सांस ली। साइबर थाना इंचार्ज राजेश कटारा ने बताया कि किसी भी तरह की साइबर ठगी होने पर लोग हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। ये साइबर ठगी किसी भी तरह से हो सकती है, इसलिए जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

गर्जना रैली में जिले से जाएंगी 20 बसें

भारतीय किसान संघ ने पकड़ी आंदोलन की राह,19 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान गर्जना रैली

सागवाड़ा। भारतीय किसान संघ की ओर से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 19 दिसंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान गर्जना रैली आयोजित की जाएगी। रैली को लेकर कार्यकर्ता गाँव गाँव में तैयारियों में जुटे हुए हैं। रैली में देशभर के 550 जिलों से किसान दिल्ली में हुंकार भरेंगे। इसमें भाग लेने डूंगरपुर जिले से भी 20 बसें दिल्ली पहुंचेंगी। यह जानकारी सोमवार को आयोजित प्रेसवार्ता में भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने दी। जिला अध्यक्ष नाथजी भाई ने बताया कि देशभर के किसान फसलों के लाभकारी मूल्य की मांग को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में जुटेंगे। लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ अपने स्थापना काल से ही आंदोलन कर रहा है। सरकारों के द्वारा इस दिशा में किए गए प्रयास किसान की दुर्दशा के मुकाबले नाकाफी हैं। इसलिए अब

देशभर में भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ता ग्राम जनसंपर्क करते हुए 19 दिसंबर को दिल्ली में लाखों की संख्या में किसान गर्जना रैली में शामिल होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज बुलंद करेंगे। जिला मीडिया प्रभारी लल्लुराम बिजुला ने बताया कि भारतीय किसान संघ फसलों के लाभकारी मूल्य की बात करता है, लेकिन एमएसपी के खिलाफ नहीं है। भारतीय किसान संघ के अनुसार एमएसपी फसल का लाभकारी मूल्य नहीं है। लाभकारी मूल्य मिले बिना किसान का भला नहीं हो सकता है।

गलियाकोट तहसील अध्यक्ष गोविन्दराम घाटा का गांव ने बताया कि किसानों को अपने उत्पादों की इनपुट क्रेडिट नहीं मिल रही है, इसलिए कृषि आदानों पर जीएसटी समाप्त किया जाना चाहिए। किसान को मिलने वाली सब्सिडी सीधे किसान के खाते में दी जानी चाहिए। दूसरा कृषि आदान में मुद्रास्फीति वृद्धि के अनुपात में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाई जानी चाहिए। महंगाई के अनुपात में डीए, भत्ता, इंक्रीमेंट बढ़ता है तो किसान निधि भी सम्मानजनक ही मिलनी चाहिए।

सागवाड़ा तहसील अध्यक्ष रतनजी भाई ने बताया कि विभिन्न गांवों में पीले चावल देकर किसानों को आमंत्रित किया जा रहा है। जिले में 12 तहसीलें, 162 ग्राम पंचायतें हैं। सभी पंचायतों से बसें किसानों से भरकर जाएंगी।

मीडिया प्रभारी लल्लुराम बिजुला ने बताया कि किसान गर्जना रैली को लेकर व्यापक रणनीति तैयार की गई है। हर गाँव और ढाणी में किसानों से संपर्क और जनजागरण किया जा रहा है। गांवों, कस्बों में रथ, रैलियां और जुलूस निकालकर लोगों को लाभकारी मूल्य के बारे में बता रहे हैं।

रैली में सभी किसान सूखी खाद्य नमकीन, मठरी इत्यादि सामग्री लेकर पहुंचेंगे। बड़ी संख्या में महिला किसान भी रैली के लिए पंजीयन करा रही हैं। साथ ही, उद्यमी, व्यापारी, मजदूर, कर्मचारी हर वर्ग का जन समर्थन आंदोलन को मिल रहा है।